भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-3827
उत्तर देने की तारीख-16/03/2026

विद्यालय पाठ्यक्रम में नागरिक जिम्मेदारी और सामाजिक व्यवहार

†3827. **श्री शाहू शहाजी छत्रपती:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अंतर्गत नागरिक जिम्मेदारी और सामाजिक व्यवहार विद्यालयी पाठ्यक्रम का हिस्सा हैं; और
(ख) यदि हाँ, तो बुनियादी स्तर से ऐसी शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) और (ख): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में स्कूल पाठ्यचर्या के अभिन्न अंग के रूप में नागरिक उत्तरदायित्व और सामाजिक व्यवहार की परिकल्पना की गई है और दूसरों के प्रति सम्मान, सहयोग, स्वच्छता, कृतज्ञता और विविधता के प्रति सम्मान का पोषण करके सामाजिक रूप से उत्तरदायी और मूल्य-उन्मुख भविष्य के नागरिकों के विकास पर बल दिया गया है। एनईपी 2020 के अनुरूप, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने बुनियादी स्तर के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2022 और स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 जारी की गई जिसमें सभी विषयों में सामाजिक व्यवहार और नागरिक उत्तरदायित्व से संबंधित विषयों को एकीकृत करने की सिफारिश की गई है।

इसके अनुपालन के रूप में एनसीईआरटी ने कक्षा 1 से 8 तक के लिए नई पाठ्यपुस्तकों को जारी किया, जो इन मूल्यों और वांछनीय सामाजिक व्यवहार को परिलक्षित करती हैं। सामाजिक व्यवहार, सहकार्यता और दूसरों के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने के लिए नागरिक उत्तरदायित्व से संबंधित सामग्री और गतिविधियों को विषय क्षेत्रों और चरणों में एकीकृत किया गया है। नागरिक उत्तरदायित्व से संबंधित मूल्यों और सामाजिक व्यवहारों को एनसीईआरटी द्वारा तैयार शिक्षक पुस्तिका में भी

महत्व दिया गया है और छात्रों के बीच नागरिक मूल्यों, सहानुभूति, सहयोग और उत्तरदायी व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रशिक्षण के दौरान गतिविधियां संचालित की जाती हैं।

शिक्षकों द्वारा प्रासंगिक बनाए जाने पर गतिविधियों, चर्चाओं और कहानियों के रूप में एकीकृत नागरिक उत्तरदायित्व से संबंधित विषय छात्रों को स्वाभाविक रूप से सामाजिक और मानवीय मूल्यों को आत्मसात करने में मदद करते हैं और तदनुसार धीरे-धीरे अपने व्यवहार को बदलते हैं।

*****